2. कहानी एवं चर्चा का अभ्यास: एक समय की बात है 45 मिनट

कहानी

विवरण
यह अभ्यास 'बांसुरी और नगाड़े के गीत' नामक कहानी पर आधारित है. इसके चार भाग हैं: कहानी सुनाना - पूर्ण चर्चा - सामूहिक चर्चा - फ़ीडबैक/समापन.

उद्देश्य
इस अभ्यास का उद्देश्य समूह की इस बात पर विचार करने में सहायता करना है कि वे FORB से संरक्षित चीजों को कितना मूल्यवान मानते हैं और क्या/कैसे उनकी परंपराओं और संस्कृति में इन चीजों को महत्व दिया जाता है. यह कहानी धर्म या आस्था की आजादी से संबधित सात महत्वपूर्ण शब्दों की व्याख्या करती है: विचार, विश्वास, संबद्धता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार.

संसाधन

- कहानी की स्क्रिप्ट (पृष्ठ 56 या यह लिंक देखें).
- सत्र पावरपॉइंट की स्लाइड्स 3-23 जो कहानी का चित्रण करती हैं या उन्हीं चित्रणों वाले पोस्टरों का प्रिंटआउट भी. (यदि आवश्यक हो तो इनके बिना अभ्यास किया जा सकता है.)
- 'एक समय की बात है' समूह कार्य प्रश्नों का हैंडआउट (हर 3-4 प्रतिभागियों पर एक) या पूर्व में तैयार फ्लिप चार्ट शीट, जिस पर समूह कार्य प्रश्न पहले से लिखे हों, प्रतिभागियों को दें.

कहानी, पोस्टर और हैंडआउट यहाँ हैं.

पूर्व तैयारी
कहानी को पढ़ने या अपने शब्दों में सुनाने का अभ्यास करें, ताकि आप रोचक ढंग से कहानी सुना सकें और आपको यह ठीक से पता हो कि कौन-सी पावरपॉइंट स्लाइड या पोस्टर कब दिखाया जाना है.
यदि आप पोस्टरों का उपयोग कर रहे हैं, तो उन्हें पहले से ही किसी दीवार पर क्रम में लगा दें. इससे, सही समय पर सही पोस्टर की ओर इशारा करना आसान हो जाएगा.

अभ्यास का संचालन कैसे करें 35 मिनट

- **कहानी सुनाना** (15 मिनट)
  बताएं कि आप एक कहानी सुनाने जा रहे हैं, जिस पर सभी के साथ एवं छोटे समूहों में भी चर्चा होगी. कहानी सुनाएँ और पावरपॉइंट स्लाइड्स/पोस्टर्स दिखाएँ. उसे ढेर सारे एहसास के साथ पढ़कर सुनाने की कोशिश करें!

- **संक्षिप्त पूर्ण चर्चा** (5 मिनट)
  लोगों से कहें कि वे इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए हाथ खड़े करें - हर प्रश्न के एक या दो उत्तर ही लें.
  - आपके अनुसार इस कहानी का संदेश या सीख क्या है?
  - क्या विभिन्न पात्रों का कोई व्यवहार आपको सराहनीय लगा?

सुझाव! समय प्रबंधन के संबंध में सजग रहें ताकि छोटे समूहों में की जाने वाली सामूहिक चर्चा के लिए पर्याप्त समय बचा रहे.

(यदि लोगों को नगाड़ों और बाँसुरियों के महत्वपूर्ण होने के विचार पर भरोसा करने में मुश्किल हो तो उन्हें समझाएँ कि ये दोनों चीज़ें गाँव वालों की आस्था पद्धति और धार्मिक प्रथाओं को दर्शाती हैं.)

- **लघु सामूहिक चर्चा** (15 मिनट)
  सहभागियों को 3-4 के समूहों में बाँटें और हर समूह को समूह कार्य प्रश्नों की एक-एक प्रति दें. सात महत्वपूर्ण शब्दों वाली पावरपॉइंट स्लाइड 24 दिखाएँ या उन शब्दों वाली कोई फ्लिप चार्ट शीट दिखाएँ. समझाएँ कि ये सारे शब्द कहानी से किसी-न-किसी तरह जुड़े हुए हैं. (महत्वपूर्ण शब्द: विचार, विश्वास, संबद्धता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार.)

- समूहों को निम्न प्रश्नों पर चर्चा करने को कहें:
  - कहानी के घटनाक्रम और इन शब्दों के बीच क्या संबंध है और आपको इस कहानी के पात्रों के बारे में क्या प्रशंसनीय लगा और क्या पसंद नहीं आया?
  - क्या आपको अपनी संस्कृति या आस्था की परंपरा से जुड़ी हुई ऐसी कहानियां याद आती हैं जिनमें विचार, विश्वास, संबध्दता, अभ्यास, प्रश्न, बदलाव एवं इंकार करने वाले व्यक्तियों के बारे में सकारात्मक बातें कही गई हों?
  - क्या जब लोगों को ये चीज़ें करने की अनुमति दी जाती है तो समुदाय को लाभ होता है या यह समुदाय के लिए एक खतरा बन जाता है? या दोनों?
  - क्या ऐसा करने वाले व्यक्तियों के बिना सकारात्मक बदलाव संभव है?

अभ्यास का समापन कैसे करें 10 मिनट

प्रत्येक समूह से एक ऐसी बात का जिक्र करने के लिए कहें जो उनकी चर्चा के दौरान उन्हें प्रेरक, महत्वपूर्ण या कठिन लगी.

समापन मोटे तौर पर निम्नानुसार बातें कहकर करें:

- हम इस कहानी के माध्यम से धर्म या आस्था की आजादी के मानव अधिकार से जुड़े मूल्यों एवं अधिकारों के बारे में जानना प्रारंभ कर रहे हैं.
- ये मूल्य और अधिकार सरल-साधारण या अविवादित नहीं हैं. वे हमें थोड़ी चिंता महसूस करा सकते हैं. जैसे, शायद आप सोचें कि:
  - यदि लोगों को अपने बारे में सोचने और वे अपना जीवन कैसे बिताएं यह तय करने की आजादी होगी तो क्या यह हमारी संस्कृति, परंपराओं और आस्थाओं के लिए खतरा नहीं होगा?
  - इस बात की क्या गारंटी है कि लोग इन स्वतंत्रताओं का उपयोग भलाई के लिए करेंगे? ऐसे लोग भी तो होते हैं जिनके विचार या इरादे बुरे होते हैं. ज़ियाना चाहती थी कि उसके दोस्तों की ज़िंदगी बेहतर हो, लेकिन हर कोई तो ज़ियाना की तरह नहीं होता न. कई बार लोग अपनी आस्थाओं के नाम पर ऐसे कार्यों को सही ठहराते हैं जो अन्य लोगों के लिए हानिकारक हों - जैसे चाय की दुकान वाला, जिसने ओनो को परेशान किया और एक गिरोह बनाकर 'सभी का स्वागत है' के बोर्डों को उतार दिया.
- ये वे महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिन पर हम आगे भी विचार करते रहेंगे! दूसरी ओर, सकारात्मक बदलाव तब नहीं हो सकते जब तक लोगों को विचार और विश्वास करने और उन बातों पर सवाल उठाने की छूट नहीं दी जाती जिन्हें वे गलत मानते हैं - जैसे मार्केटप्लेस में भेदभाव होना.
- तो फिर लोगों को कौन-से अधिकार दिए जाने चाहिए और सरकार को कब उन्हें सीमित करने का अधिकार होना चाहिए? अभी हम यह सीखने जा रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार कानून इस बारे में क्या कहते हैं.

3. प्रस्तुति: धर्म या आस्था की आजादी का परिचय 15 मिनट

प्रस्तुति

विवरण व उद्देश्य

यह प्रस्तुतिकरण धर्म या आस्था की आजादी के अधिकार का परिचय देता है और यह भी बताता है कि इसे कब सीमित किया जा सकता है. यह पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण ज्ञान आधार बनेगी.

संसाधन

- प्रस्तुति की स्क्रिप्ट इस गाइड के पेज 60 पर है.
- यह स्क्रिप्ट सत्र की पावरपॉइंट प्रस्तुति की स्लाइड 25-46 से मैच करता है और इन स्लाइड्स हेतु वक्ता की टिप्पणियों में शामिल है.
- इस स्क्रिप्ट का संपादन-योग्य संस्करण, सत्र के लिए दिए गए संसाधनों में उपलब्ध है.